पाणिनि युग (800 वर्ष (ईसा पूर्व))

- पाणिनी ने 'अष्टाध्यायी' ग्रन्थ की रचना की यह ग्रंथ संस्कृत व्याकरण पर लिखा गया।
- संगीत उत्सवों में ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य तीनों वर्ग ही उपस्थित रहते थे।
- इस काल में चारों वर्णों के संगीत की धारायें अलग- अलग थी।
- लोक संगीत- शास्त्रीय संगीत के साथ प्रचलित था।
- इस युग में सात स्वर और गान्धार ग्राम का वर्णन है।
- महिलाओं को भी सामगान की शिक्षा दी जाती थी।
- स्वर - उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित
- वाद्य वृन्द के लिए तूर्य की संज्ञा थी
- हाथ से ताल देने वाला वर्ग पाणिक कहलाता था।
- भास का प्रसिद्ध नाटक - स्वप्न वासवदत्तम यह संगीतप्रधान नाटक है।
- जनपद काल में भारतीय संगीत का प्रचार, ब्रह्मा, लंका आदि देशों में भी हुआ।